(b) The data in connection with the surveys carried out so far in five Community Project Areas is under anaivsis.

उत्तर-पूर्व रेलवे में रमईपुर गांव पर हाल्ट

*२२८. श्री जगन्नाथ प्रसाद अग्रवाल : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सत्य है कि सरकार उत्तर-पूर्व रेलवे के बिसवां और परसेंडी स्टेशनों के बीच रमईपुर गांव पर एक हाल्ट खोल रही है ; और

(ख) इस कार्य के कब तक हो जाने की संभावना है ?

-f [OPENING OF A HALT AT VILLAGE RAMAIPUR ON THE NORTH EASTERN RAILWAY

•228. SHEI J. P. AGRAWAL: Will the Minister for RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government propose to open a halt at village Ramaipur between Biswan and Parsendi stations of North Eastern Railway; and

ft) by what time the proposal is likely to materialise?]

रेल उपमंत्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) और (ख) बिसवां और परसेंडी स्टेशनों के बीच एक हाल्ट स्टेशन बनाने का विचार है ।

अभी इस बात पर विचार किया जा रहा है कि हाल्ट किस जगह बनाया जाय । ज्यों ही जगह चुन ली जायेगी, हाल्ट बनाने का काम शुरू कर दिया जायेगा ।

†[THE DEPUTY MINISTER FOR RAILWAYS (SHRI SHAH NAWAZ KHAN): (a) and (b). It is proposed to provide a halt station between Biswan and Parsendi Stations.

The exact location of the proposed halt is still under consideration and the work will be taken in hand *ax* soon as the site is finally selected.]

सिक्किम में सड़कों का निर्माण

*२२९. श्री राम सहाय : क्या परिवहन और संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सिक्किम में सड़कों के निर्माण का काम ठीक प्रकार से नहीं हो रहा है, यदि ऐसा है तो क्यों ; और

(ख) क्या सरकार इस बारे में किसी खास योजना पर विचार कर रही है ?

ttROAD COSTRUCTION IN SIKKIM

*229. SHRI RAM SAHAI: Will the Minister for TRANSPORT AND COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the work of road construction in Sikkim is not proceeding well; if so, why; and

(b) whether Government are considering any specific scheme in this regard?]

परिवहन तथा संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री हुमायूं कबीर) : (क) पहली पंच वर्षीय योजना काल के अन्दर सिक्किम में सड़क निर्माण प्रगति में कुछ ढिलाई रही । इसका कारण वहां मजदूरों की भारी कमी और कई एक दूसरी विशेष प्रकार की प्रारम्भिक कठिनाइयां थीं । फिर भी इस काम की प्रगति में १९५६-५७ में काफी सुधार हुआ है और यह रफ्तार जारी है ।

(ख) सवाल ही पैदा नहीं होता ।